>

Title: Reported cheating of money belonging to common people of Rajasthan by a private company.

श्री इज्यराज सिंह (कोटा): महोदय, देश में कई कंपनियों द्वार निवेश पर अच्छा लाभांश एवं ब्याज देने के वायदे करके करोड़ों रुपए इकट्ठा कर कंपनियों के गायब होने की घटनाएं कई सालों से हो रही हैं।

सभापति महोदय : खासकर राजस्थान में ज्यादा हो रही हैं।

श्री इज्यराज सिंह : महोदय, मैं वही कह रहा हूं। अभी हाल ही में राजस्थान में गोल्डसुख ट्रेड इंडिया लिमिटिड नामक कंपनी द्वारा आम आदमी से 300 करोड़ रुपया इकट्ठा करके गायब हो गई। इस कंपनी के डायरेक्टर फरार है। आज आम आदमी इसलिए इन कंपनियों में निवेश करता है क्योंकि सरकार पंजीकरण करती है एवं कई कानूनों द्वारा इन पर नजर रखती है। मैं सदन के बताना चाहता हूं और मुझे बताते हुए खेद हो रहा है कि इस प्रकार की कंपनियों पर जिस प्रकार की निगरानी होनी चाहिए, वह नहीं हो पा रही है। इस कंपनी ने पूरे देश में डेढ़ लाख लोगों को ठगा है। इसके कार्यालय पर ताले लगे हैं। इस कंपनी के सोने की चार स्कीम पर लोगों ने विश्वास किया और लोग फंसे। इस कंपनी के पास क्वालिटी सर्विस, सराफा एसोसिएशन पंजीकरण प्रमाण पत्र एवं आयकर के सभी कागज हैं। इसका कारपोरेट कार्यालय जयपुर में है, 12 शहरों में शाखाएं हैं और कई जगह शोरूम हैं। मेरे संसदीय क्षेत्र कोटा में इस कंपनी द्वारा 12,000 निवेशक धन के ठगे जाने पर सकते में हैं, बड़े आक्रोश में हैं। कंपनी में निवेश करने वाले लोगों को तंग करने के बजाय निवेश हुई संपत्ति जब्त करना चाहिए एवं किस प्रकार धन वापिस लाया जाए, इसकी व्यवस्था करनी चाहिए। मैं सदन का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हूं कि जनता की निवेश की गई पूंजी की किस प्रकार रक्षा करनी चाहिए, इस पर पहल होनी चाहिए। इस कंपनी के निदेशकों को तत्काल गिरफ्तार करना चाहिए। इनके बारे में आधुनिक तकनीक से पता लगाया जा सकता है। मैं सदन का ध्यान इस तरफ दिलाना चाहता हूं कि इस प्रकार की कंपनियों के पंजीकरण और प्रमाणीकरण को बेहतर करने के लिए पालिसी बनाई जाए।